

02301

M.A. (RURAL DEVELOPMENT)

Term-End Examination

December, 2014

**MRDE-002 : VOLUNTARY ACTION IN
RURAL DEVELOPMENT**

Time : 3 hours

Maximum Marks : 100

Note : (i) Attempt *all the five questions.*

(ii) *All questions carry equal marks.*

(iii) *Answer to question nos. 1 and 2 should not exceed 800 words each.*

1. Describe the salient aspects of Informal; Commercial; Statutory and Voluntary systems of meeting social needs of society. 20

OR

Explain the basic features of the structure of Voluntary Organisations. 20

2. Discuss the basic problems faced by Unregistered and Registered Voluntary Organisations in rural India. 20

OR

Explain the main Guiding Principles of Global Donor Platform for Rural Development (GDPRD). 20

3. Answer **any two** of the following questions in about **400** words each :
- (a) Explain the essential aspects of Weber's Ideal Types of Action. 10
 - (b) Describe the relationship between VO's and Indian state in the context of rural development. 10
 - (c) Explain the significance and role of SEWA in furnishing financial support to self-employed women. 10
4. Attempt **any four** of the following in about **200** words each :
- (a) Socio-Political Voluntarism 5
 - (b) Basic characteristics of Bureaucratic Administration 5
 - (c) Essential features of Grants-in-Aid 5
 - (d) Goal-Displacement 5
 - (e) A basic Typology of Voluntary Sector in India 5
 - (f) Basic features of CBOs 5
5. Write short notes on **any five** of the following in about **100** words each :
- (a) Social Ethos of Non-Profit 4
 - (b) Magna Carta 4
 - (c) Ideal Type of Bureaucracy 4
 - (d) Fund-raising Campaigns 4
 - (e) Charitable Companies 4
 - (f) PURA 4
 - (g) CSWB 4
 - (h) Millennium Development Goals 4

एम.ए. (ग्राम विकास)

सत्रांत परीक्षा
दिसम्बर, 2014

एम.आर.डी.ई.-002 : ग्राम विकास में
स्वैच्छिक क्रिया

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

- नोट : (i) सभी पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
(ii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
(iii) प्रश्न सं. 1 और 2 के उत्तर (प्रत्येक) 800 शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1. समाज की सामाजिक आवश्यकताओं को पूरा करने की 20
अनौपचारिक, वाणिज्यिक, सांविधानिक और स्वैच्छिक प्रणालियों
के प्रमुख पक्षों का वर्णन कीजिए।

अथवा

- स्वैच्छिक संगठनों की संरचना की मूलभूत विशेषताओं की व्याख्या 20
कीजिए।

2. अपंजीकृत और पंजीकृत स्वैच्छिक संगठनों द्वारा ग्रामीण भारत 20
में अनुभव की जा रही मूलभूत समस्याओं की चर्चा कीजिए।

अथवा

- 'ग्लोबल डेनर प्लेटफॉर्म फॉर रूरल डेवलपमेंट' (जी.डी.पी.आर.डी.) 20
के प्रमुख मार्गदर्शी सिद्धांतों की व्याख्या कीजिए।

3. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक लगभग 400 शब्दों में) दीजिए।
- (a) वेबर के क्रिया के आदर्श प्ररूपों के अनिवार्य पक्षों की व्याख्या कीजिए। 10
- (b) ग्राम विकास के संदर्भ में स्वैच्छिक संगठनों और भारतीय राज्य के बीच संबंध का वर्णन कीजिए। 10
- (c) स्व-रोजगाररत महिलाओं को वित्तीय सहायता जुटाने में 'सेवा' (SEWA) की भूमिका और महत्त्व की व्याख्या कीजिए। 10
4. निम्नलिखित में से **किन्हीं चार** के उत्तर (प्रत्येक लगभग 200 शब्दों में) दीजिए।
- (a) सामाजिक-राजनीतिक संकल्पवाद 5
- (b) नौकरशाही (अधिकारी-तंत्र) प्रशासन की मूलभूत विशेषताएँ 5
- (c) सहायता-अनुदान की अनिवार्य विशेषताएँ 5
- (d) लक्ष्य-विस्थापन 5
- (e) भारत में स्वैच्छिक क्षेत्र का मूलभूत वर्गीकरण 5
- (f) सी.बी.ओ की मूलभूत विशेषताएँ 5
5. निम्नलिखित में से **किन्हीं पाँच** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ (प्रत्येक लगभग 100 शब्दों में) लिखिए।
- (a) अलाभ के सामाजिक लोकाचार 4
- (b) मैग्ना कार्टा 4
- (c) नौकरशाही (अधिकारी-तंत्र) का आदर्श प्ररूप 4
- (d) निधि-संग्रह अभियान 4
- (e) धर्मार्थ कंपनियाँ 4
- (f) प्यूरा (पी.यू.आर.ए) 4
- (g) सी.एस.डब्ल्यू.बी. 4
- (h) सहस्राब्दि विकास लक्ष्य 4